भारत और मालदीव

प्रलिम्सि के लयि:

सागर, नेबरहुड फर्स्ट, सामुदायकि वकिास परयिोजना (HICDP), भारत की पड़ोस नीत,ि मोतयिों की माला/स्ट्रगि ऑफ पर्ल।

मेन्स के लयि:

भारत-मालदीव संबंध और आगे की राह।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत और मालदीव ने **मालदीव में वकिास परयिोजनाओं पर समझौते पर हस्ताक्षर कयि।**

- मालदीव एवं श्रीलंका दोनों हदि महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख**समुद्री पड़ोसी** हैं जो प्रधानमंत्री के **'सागर/SAGAR' (क्षेत्र में सभी हेतु सुरक्षा और वकिास) तथा 'नेबरहुड फर्स्ट' के दृष्टकिोण में वशिष स्थान रखते हैं।**

//

समझौता:

- **अनुदान सहायता:**
  - इसमें **उच्च प्रभाव सामुदायकि वकिास परयिोजना (High Impact Community Development Project- HICDP)** के लयि 100 मलियिन रूफयिा/Rufiyaa (मालदीव की मुद्रा) की अनुदान सहायता शामलि है।
  - इस वत्तिपोषण के तहत पूरे देश में कई सामाजकि-आर्थकि वकिास परयिोजनाओं को लागू करने की योजना है।

- **खेल परसिर और शैक्षणकि सहयोग:**
    - इसमें गहधू में एक खेल परसिर का वकिास और मालदीव नेशनल यूनविर्सटिी एवं कोचीन यूनविर्सटिी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के बीच अकादमकि सहयोग भी शामलि है।

मालदीव के साथ भारत के संबंध:

- **सुरक्षा भागीदारी:**
    - रक्षा सहयोग संयुक्त अभ्यास के क्षेत्रों तक वसि्तृत है जैसे- एकुवेरनि', **'दोस्ती', 'एकथा' और 'ऑपरेशन शील्ड' (वर्ष 2021 में शुरू)।**
    - **मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (Maldivian National Defence Force- MNDF)** के लयि भारत इस क्षेत्र में उसकी 70% से अधकि ज़रूरतों को पूरा करते हुए सबसे अधकि प्रशक्षिण संभावनाएँ प्रदान करता है।
- **पुनर्सुधार केंद्र:**
    - **अड्डू रकि्लेमेशन** और **तट संरक्षण परयिोजना** के लयि 80 मलियिन अमेरकिी डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर।
    - अड्डू में भारत की सहायता से एक ड्रग डटिॉक्सफिकिेशन और रहिैबलिटिेशन सेंटर नरि्मति कयिा गया है।
        - यह केंद्र स्वास्थ्य, शकि्षा, मत्स्य पालन, **पर्यटन**, खेल और **संस्कृत** जैसे क्षेत्रों में भारत द्वारा कार्यान्वति की जा रही 20 उच्च प्रभाव वाली सामुदायकि वकिास परयिोजनाओं में से एक है।
- **आर्थकि सहयोग:**
    - पर्यटन मालदीव की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। यह देश अब भारतीयों के लयि एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जबकअिन्य के लयि रोज़गार का साधन है।
    - अगस्त 2021 में **भारतीय कंपनी ऐफ्कॉंस ने मालदीव में अब तक की सबसे बड़ी अवसंरचनात्मक परयिोजना के लयि एक अनुबंध पर हस्ताक्षर कयि जो ग्रेटर मेल कनेक्टविटिी प्रोजेक्ट (GMCP) है।**
    - **भारत** वर्ष 2018 के चौथे स्थान से बढ़ते हुए **मालदीव का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारकि भागीदार है।** वर्ष 2021 में महामारी से संबंधति चुनौतयिों का सामना करते हुए द्वपिक्षीय व्यापार में पछिले वर्ष की तुलना में 31% की वृद्धि दर्ज की गई।
    - 22 जुलाई, 2019 को **RBI** और **मालदीव मौद्रकि प्राधकिरण के बीच एक द्वपिक्षीय अमेरकिी डॉलर मुद्रा स्वैप समझौते** पर हस्ताक्षर कयि गए।
- **अवसंरचनात्मक परयिोजनाएँ:**
    - भारतीय क्रेडटि लाइन के तहत हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा वकिास परयिोजना प्रतविर्ष 1.3 मलियिन यात्रयिों को समायोजति करने के लयि एक नया टर्मनिल स्थापति करेगी।
    - भारत के वदिेश मंत्री द्वारा वर्ष 2022 में 'नेशनल कॉलेज फॉर पुलसिगि एंड लॉ एनफोर्समेंट' (NCPLE) का उद्घाटन कयिा गया।
    - NCPLE मालदीव में भारत द्वारा नष्पिादति सबसे बड़ी अनुदान परयिोजना है।

भारत-मालदीव संबंधों में वद्यिमान चुनौतयिाँ:

- **राजनैतकि अस्थरिता:**
    - भारत की प्रमुख चति पड़ोसी देशों की राजनीतकि अस्थरिता के कारण इसकी सुरक्षा और वकिास पर प्रभाव रहा है।
    - फरवरी 2015 में मालदीव के वपिक्षी नेता मोहम्मद नशीद की आतंकवाद के आरोपों में गरिफ्तारी और उसके परणिामस्वरूप उत्पन्न हुए राजनीतकि संकट ने **भारत की पड़ोस नीत** के समक्ष एक वास्तवकि कूटनीतकि परीक्षा जैसी स्थति उत्पन्न कर दी।
- **कट्टरता:**
    - पछिले एक दशक में **इस्लामकि स्टेट (IS)** और पाकसि्तान समर्थति आतंकवादी समूहों का मालदीव में प्रभाव बढ़ता देखा गया है।
        - यह पाकसि्तान स्थति आतंकी समूहों द्वारा भारत और भारतीय हतिों के खलिाफ आतंकी हमलों के लयि लॉन्च पैड के रूप में मालदीव के द्वीपों का उपयोग करने की आशंका को जन्म देता है।
- **चीनी पक्ष:**
    - हाल के वर्षों में भारत के पड़ोसी देशों में चीन के सामरकि दखल में वृद्धि देखने को मलिी है। मालदीव दक्षणि एशयिा में चीन की स्ट्रगि ऑफ पर्ल्स' (String of Pearls) रणनीतिका एक महत्त्वपूर्ण घटक बनकर उभरा है।
    - चीन-भारत संबंधों की अनशि्चतिता को देखते हुए मालदीव में चीन की रणनीतकि उपस्थति चिंता का वषिय बनी हुई है।

आगे की राह

- दक्षणि एशयिा और आसपास की समुद्री सीमाओं में क्षेत्रीय सुरक्षा सुनशि्चति करने के लयि भारत को इंडो-पैसफिकि सुरक्षा क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिानी चाहयि।
    - भारत के समुद्री प्रभाव के क्षेत्र में अतरिक्ति क्षेत्रीय शक्तयिों (वशिेष रूप से चीन) के वकिास की प्रतक्रियिा के रूप में हदि-प्रशांत सुरक्षा क्षेत्र को वकिसति कयिा गया है।
- वर्तमान में **'इंडयिा आउट' अभयिान को सीमति आबादी का समर्थन प्राप्त है,** लेकनि भारत सरकार द्वारा इसे हल्के में नहीं लयिा जा सकता है।
    - यदि **'इंडयिा आउट' के समर्थकों द्वारा उठाए गए मुद्दों को सावधानी पूर्वक नहीं संभाला जाता है और भारत राष्ट्र द्वीप पर परयिोजनाओं के पीछे अपने इरादों के बारे में मालदीव के लोगों को प्रभावी ढंग से आश्वस्त नहीं करता है,** तो यह अभयिान मालदीव की घरेलू राजनीतकि स्थति को बदल सकता है तथा मालदीव के साथ भारत के वर्तमान अनुकूल संबंधों में हलचल उत्पन्न कर सकता है।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. 'मोतियों की माला' से आप क्या समझते हैं? यह भारत को कैसे प्रभावति करती है? इसका मुकाबला करने के लयि भारत द्वारा उठाए गए कदमों की संक्षेप में रूपरेखा प्रस्तुत कीजयि। (2013)

प्रश्न. पछिले दो वर्षों के दौरान मालदीव में राजनीतकि घटनाक्रमों पर चर्चा कीजयि। क्या उन्हें भारत के लयि चति का कारण होना चाहयि? (2013)

सरोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-and-maldives